दिनांक 20 दिसम्बर, 1983

सं स्रो.वि./ करनाल/61-83/65506. — चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं. एक्सियन सिविल न० 5, पानीपत, थर्मल पावर प्रोजैक्ट, एच०एस०ई०बी०, ग्रासान (पानीपत) के श्रमिक श्री राम सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके लिखित मामले बाद के सम्बन्ध में कोई ग्रोद्योगिक विवाद है:

श्रौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं,

इसलिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रिष्ठिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 7 क के प्रधीन श्रौद्यो-गिक ग्रिष्ठिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या इससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले अमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री राम सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठींक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. श्रो.वि.एफ.डी./157-83/65512.—-चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. फीक इण्डिया लि० मथुरा रोड, फरीदाबाद के श्रमिक श्री गुगन सिंह तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, श्रौद्यागिक विवाद श्रिवित्यम, 1947 की द्यारा 10 की उपद्यारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिविस्चमा सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए श्रिविस्चना सं. 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिवित्यम की घारा 7 के श्रिवीन गठित श्रम न्वायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या छससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है :--

क्या श्री गुगन सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भ्रो.वि /पानीपत/79-83/65519.-चूंकि राज्यपाल, हरियाणां की राय है कि मै० वसताड़ा कोपरेटिव केडिट एण्ड सर्विस सोसायटी लि०, बसताड़ा, तहसील व जिला करनाल के श्रामिक श्री राम किशन तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीधोगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद के न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्यौगिक विवाद ग्रीद्यित्यम, 1947 की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हिरयाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त ग्रीद्यित्यम की घारा 7क के ग्रीधीन श्रौद्योगिक ग्रीद्यक्तरण, हिरयाणा, • फरिदावाद को नीचे निदिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायितर्णय के लिए निदिष्ट करते हैं :—

क्या श्री राम किशन की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? दिनांक 23 दिसम्बर, 1983

सं. श्रो.वि./सोनीपत/225-83/66362.—चूकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० चौघरी कैमीकल इन्हरूट्रीज, 22/2, जी.टी. रोड, गांव व डा० बहालगढ़ (सोंनीपत) के श्रमिक श्री हीशा सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इस लिये, भव, श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा भूदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं. 9641-1-श्रम/70/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठित सरकारी ग्रधिसूचना सं. 3864-ए.एस.श्रो. (ई) श्रम-70/13648, दिनांक 8 मई, 1970 द्वारा उक्त

भ्रधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय-निर्णय हेतु निर्विष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री होरा सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

वी० एस० चौधरी,

उप सचिव हरियाणा सरकार, श्रम विभाग।

श्रम विभाग

ग्रादेश

दिनांक 20 दिसम्बर, 1983

सं जो.वि./जी.जी.एन./99-83/65525.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैसर्ज मैकस ई० प्रोडक्ट्स प्रा०लि०, गांव हरसारू गुड़गांवा के श्रमिकों तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूं कि राज्यपाल, हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, ग्रोद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रीधिनियम की धारा 7क के ग्रधीन गठित ग्रीद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिष्टि मामले, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या सो बिवादग्रस्त मामला (मामलें) है/हैं ग्रथवा विवाद से संगत या सम्बन्धित मामला (मामलें) है/हैं न्यायनिर्णय हेतु निष्टिट करते हैं: —

- (1) क्या प्रवन्धों ने श्रमिकों को दिनांक 7-9-82 से 7-11-82 तक गैर-कानूनो उग से ले-प्राफाकी है ? यदि ऐसा किया है तो जिन श्रमिकों को ले-प्राफ किया गया था वह किस राहत के हकदार है ?
- (2) क्या श्रमिक हीट ग्रलाऊंस के हकदार हैं, यदि हैं, तो किस निवरण के साथ ?

सं जो.वि./ग्राई.डी./ग्रम्बाला/320-83/65532.--चूंकि हरियाणा के राष्यपाल की राय है कि मैं विनार पालिका साढीरा (ग्रम्बाला) के श्रमिकों तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीबोगिक विवाद है ;

मीर चूं कि ,राज्यपाल हरियाणा इस विवाद को ग्यायनिर्णय हेतु निविष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, भन, श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिवतियों का प्रयोग करते हुए हरियागा के राज्यशाल इसके द्वारा उक्त श्रवितियम की धारा 7-क के अधीन भीद्यौगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, की नीचे विनिर्दिष्ट मामलें, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो⊵ विवादग्रस्त मामला (मामलें) है/हं, न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या चुगी पर कार्य करने वाले कर्मचारी वर्दी के हकदार हैं ? यदि हैं, तो किस विवरण के साथ ?

मुनीश गुप्ता, श्रायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम तया रोजगार विमाग।